चंडीगढ़, सोमवार
30 जुलाई 2018

दैनिक जागरण

पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित
www.jagran.com

सोशल की तीन यात्रा से बदलेंगे रिश्ते 10 | बजरंग पूनिया ने तुर्की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण 8

ट्राईसिटी के संयुक्त प्रयास बनाएंगे शहर को सुरक्षित : बेनीवाल

निर्भया केस के बाद दिल्ली में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कठोर कदम उठाए गए। नियमों को सख्त बनाने के साथ महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। महिलाओं की इस सुरक्षा के पीछे संजीदगी दिखाने वाले जो शख्स थे, वह 1989 बैच के आइपीएस अधिकारी संजय बेनीवाल थे। 28 जून को बेनीवाल ने चंडीगढ़ के डीजीपी की कमान संभाली। दिल्ली में बेहतर रिजल्ट देने वाले डीजीपी **संजय बेनीवाल** ने चंडीगढ़ में महिला सुरक्षा, अपराध, अपराधियों पर शिकंजा, ट्रैफिक सिस्टम, विभागीय उथल-पुथल सहित ट्राईसिटी समन्वय पर दैनिक जागरण संवाददाता **कुलदीप शुक्ला** से बेबाकी से बातचीत की।

सप्ताह का साक्षात्कार

कहा : महिलाओं को गुड-बैड बिहेवियर समझने और सेल्फ डिफेंस के दिए जाएंगे टिप्स

जीवन परिचय

1989 बैच के अफसर संजय बेनीवाल एजीएमयूटी कैडर के आइपीएस हैं और चंडीगढ़ से पहले दिल्ली में बतौर स्पेशल कमिश्नर ऑपरेशन एंड वुमन सेफ्टी, एयरपोर्ट और मॉडर्नाइजेशन की कमान संभाल अच्छा रिजल्ट दिया। आइपीएस संजय बेनीवाल नॉर्थ दिल्ली में डीसीपी की पोस्ट पर तैनात रहे। इस दौरान उनके पास देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और ट्रैफिक की जिम्मेदारी थी। इसके अलावा वह कई अहम पोस्ट पर जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था काफी गड़बड़ होती जा रही है, बारिश के समय रोजाना जाम लग रहे हैं। एंबुलेंस के लिए भी कुछ खास इंतजाम नहीं है?

-शहर में पब्लिक बढ़ी, गाड़ियां बढ़ीं, पर सड़कें नहीं बढ़ी हैं। जो ट्रैफिक समस्या की सबसे बड़ी वजह सामने आ रही है। इसके अलावा ट्रैफिक लाइटों की टाइमिंग को भी जल्द ही सिंक्रोनाइजेशन करवाने का प्रयास किया जाएगा।

• चंडीगढ़ में पोस्टिंग के बाद पहली सोच क्या दिमाग में आई?

-सबसे पहले दिमाग में आया कि बड़ा नाम है चंडीगढ़ पुलिस का। मुझे देखना है क्या खूबियां और कमियां हैं उनकी। अब दोनों चीजें उन्हें समझ में आ गई हैं। जो कमियां हैं, उन्हें सुधारने का काम शुरू हो चुका है।

• दिल्ली में काम अच्छा रहा, चंडीगढ़ में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए क्या करेंगे?

-दिल्ली एक बहुत बड़ा शहर बन चुका है, जबकि चंडीगढ़ उस ओर तेजी से बढ़ रहा है। चंडीगढ़ को बहुत कुछ दिल्ली से सीखना है कि क्या अच्छी चीज करनी है और क्या गलत चीजें हुई, जो आगे नहीं करनी हैं। दिल्ली में एक सर्वे करवाकर एक स्टडी की गई थी कि आखिर दिल्ली में महिलाएं और बच्चे सुरक्षित क्यों नहीं महसूस करते हैं। उसमें निकला कि बड़े शहरों में सुरक्षा पब्लिक सेफ्टी एक लॉ एंड ऑर्डर समस्या ही नहीं है। जबकि लॉ एंड ऑर्डर एक छोटा सा हिस्सा है। कल्चर, सोशल, इंफ्रास्ट्रक्चर और साइकोलॉजिकल फैक्टर होता है। मुंबई में महिला खुद को काफी सुरक्षित महसूस करती है। जबकि, नार्थ में महिला किसी जगह जाएगी तो एक बंदे (पति, बच्चा, भाई) के साथ जाती है। इसके अलावा लाइटस, ट्रांसपोर्ट की फैसिलिटी भी सुरक्षा में बहुत मायने रखती है। चंडीगढ़ में इस सुरक्षा को मेंटेन रखने के लिए कई चीजें में डेवलपमेंट करनी है। महिलाओं को [illegible] जागरूक, सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग, गुड एंड बैड बिहेवियर इसके साथ नशा पर कार्रवाई बेहद जरूरी है। जो एडिक्ट हो चुके हैं, उन्हें बाहर निकाला जाए और इसके जाल में फंस रहे हैं, उन्हें रोका जाए और बेहतर लाइफ की ओर खींचने की कोशिश की जाए। जिस पर काम किया जाएगा।

• पंजाब, हरियाणा, हिमाचल के बड़े अपराधी चंडीगढ़ में ज्यादातर अपना अड्डा बनाते हैं। हाल में ही गिरफ्तार गैंगस्टर दिलप्रीत बाबा इसका एक उदाहरण है। क्या आप मानते हैं कि कहीं न कहीं चूक रही है चंडीगढ़ पुलिस की?

-दरअसल, अपराधियों का एक तरीका होता है, जब उन पर किसी तरफ से प्रेशर बनता है, तो वह दूसरी तरफ जाकर पनाह ले लेते हैं। ठीक ऐसे ही हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में भी अपराधी करते हैं। किसके चंडीगढ़ में कौन आ रहा है, रुक रहा है यह पता करना पुलिस के लिए एक चैलेंज है। भविष्य में चंडीगढ़-मोहाली पुलिस के लिए यह चैलेंज काफी बड़ा होने वाला है। इसके लिए सिविल पुलिस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सिस्टम बढ़ाने की जरूरत है। ताकि, दिलप्रीत जैसे अपराधियों को दबोचा जा सके। समय लग सकता है पर सब काम संभव है और हम जरूर इस सिस्टम को बना देंगे।

• गवर्नर लेवल पर ट्राईसिटी पुलिस की मीटिंग कई बार हो चुकी है, पर अपराधियों पर अभी तक कुछ खास असर नहीं दिखा?

-हम सिर्फ चंडीगढ़ नहीं, बल्कि ट्राईसिटी के नजरिये से देखते हैं। ऐसा नहीं है कि चंडीगढ़ में ट्रैफिक सिस्टम बेहतरीन हो और पंचकूला बेहद खराब। ऐसा होगा तो विकास रुक जाएगा। शहर बड़ा होगा तो मुद्दा होगा कि शहर की चाल नहीं रुकने पाए, क्योंकि नहीं रुकने पाए। जरूरत है कि तीनों स्थानों पर कई चीजों का एक जैसा सिस्टम बन जाए। इसमें चैलेंज है, पर जरूर काम किया जाएगा।

• चंडीगढ़ की सड़कों पर बने साइकिल ट्रैक पर होमगार्डों की तैनाती थी, लेकिन अब उन्हें हटा दिया है?

-साइकिल ट्रैक चंडीगढ़ की खूबसूरती है। यह अच्छा प्वाइंट है और विभाग की तरफ से दोबारा से इस पर मीटिंग कर जल्द फैसला लिया जाएगा।

• चंडीगढ़ के पूर्व डीजीपी तेजिंदर सिंह लूथरा द्वारा सिलेक्ट होने के बाद हेड कांस्टेबल और एएसआइ के प्रमोशन को लेकर गवर्नर ने जांच के आदेश दिए थे, क्या हुआ?

-पूर्व डीजीपी तेजिंदर लूथरा के प्रमोशन की कार्रवाई नहीं, बल्कि प्रमोशन करने की टाइमिंग को देखते हुए गवर्नर ने तुरंत रोक लगा दिया था।

• विभागीय प्रमोशन, सीनियर-जूनियर पद को लेकर पिछले कुछ समय से पुलिस विभाग काफी विवादों रहा। ऐसे विवाद को खत्म करने की कोई प्लानिंग?

-जी हां, इस तरह के बेवजह विवादों को पूरी तरह से खत्म करने, सभी विभागीय कार्रवाई पारदर्शी और स्पष्ट बनाने के लिए जल्द ही विभाग की तरफ से सब ऑनलाइन कर दिया जाएगा।

• साइकिल ट्रैक पर तैनात होंगे होमगार्ड

-चंडीगढ़ में अधिकतर साइकिल ट्रैक तैयार हो चुके हैं। इन पर ही साइकिल चलाए जाने, इसके लिए जल्द होमगार्ड जवान की तैनाती की जाएगी। पहले जागरूक कर लोगों को इसका इस्तेमाल करने के लिए समझाया जाएगा। बाद में सख्ती की जाएगी।

विदेश मंत्रालय के आदेश पर रिपोर्ट [illegible]

जासं, चंडीगढ़ : सेक्टर-17 में बनी एक इमिग्रेशन कंपनी [illegible] आरोपित डायरेक्टर के [illegible] विदेश मंत्रालय के [illegible] पुलिस ने मामला दर्ज [illegible] आरोपित डायरेक्टर [illegible] के खिलाफ [illegible] पुलिस ने बताया कि [illegible] पीएसकी [illegible] शिकायत [illegible] ने विदेश मंत्रालय [illegible] शिकायत की [illegible] 17 क्षेत्र [illegible] कंपनी का [illegible] नाम से काम [illegible] ने अपना [illegible] रखा है। [illegible] की पालना [illegible] किया है। [illegible] में जुट [illegible]

मेरी कमी खोजने वालों को देना होगा 70 साल का हिसाब

मोदी राहुल या कांग्रेस पर तंज कसने का मौका भी नहीं चूके। कहा, जो लोग मेरी कमियां खोज रहे हैं, उनकी तो 70 साल की कमियां निकलेंगी।

लोकसभा चुनाव में विकास के सहारे उत्तर प्रदेश जीतने की मुहिम में जुटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 60 हजार करोड़ रुपये निवेश की 81 परियोजनाओं की ईंट रखी। उन्होंने [illegible]

जाने वाला ट्रेन निर्धारित समय रात 11.15 बजे रवाना हुई। यह गाड़ी मुगलसराय रेलवे स्टेशन से 4.5 किमी दूर रेलवे माइल स्टोन संख्या-17-3 के पास पहुंची थी कि ट्रैक पर भैंसों का झुंड आ गया। इससे लोको ब्रेक लगाने से पहले ही इंजन मवेशियों से टकरा गया और क्षतिग्रस्त हो गया। देर [illegible]

आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेरकर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के नागरा क्षेत्र की है। देर शाम तीन से चार आतंकी जवान नसीर अहमद राथर के घर में जबरन घुस गए। उन्होंने परिवार के सामने ही नसीर पर गोलियां [illegible]